भारत-न्यूजीलैंड व्यापार को नई रफ्तार

मुक्त व्यापार समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन से निवेश बढ़ेगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक संबंधों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने भारत-न्यूजीलैंड व्यापार परिषद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.

इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को प्रभावी रूप से लागू करना और द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को नई गति प्रदान करना है. एसोचैम द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, बाधाओं को कम करने और निवेश को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा. इसके साथ ही, बेहतर कनेक्टिविटी, पर्यटन, हवाई सेवाओं और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि साझेदारी की पूरी क्षमता का लाभ उठाया जा सके.

वर्तमान में भारत और न्यूजीलैंड के बीच वस्तुओं का कुल व्यापार लगभग एक दशमलव तीन अरब डॉलर है, जबकि सेवाओं का व्यापार करीब छह सौ चौंतीस मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है.

> इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू न्यूजीलैंड द्वारा अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर तक निवेश करने की योजना है. यह निवेश बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और सेवा क्षेत्रों में प्रगति को गति देगा. इसके अलावा, भारतीय सेवा क्षेत्र—विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, शिक्षा और व्यवसायिक सेवाएं—न्यूजीलैंड के बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर सकते हैं.

दिलीप कुमार ने सेल में कार्यभार ग्रहण किया

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल. इंडियन रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी दिलीप कुमार ने सोमवार को भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उनके पास ट्रेन संचालन, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव और मानव संसाधन प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें पूर्व मध्य रेलवे के अपर मंडल रेल प्रबंधक और बिहार के नालंदा में हरनौत के मुख्य कारखाना प्रबंधक का पद शामिल है। आईआईटी, बीएचयू से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक कुमार को 'राष्ट्रीय उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार' (2016) से सम्मानित किया जा चुका है।

सन फार्मा का सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल भारत की प्रमुख दवा कंपनी सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज ने वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. कंपनी ने अमेरिका की दवा कंपनी ऑर्गेनॉन एंड कंपनी को करीब 11.75 अरब डॉलर में खरीदने की घोषणा की है.

यह सौदा सन फार्मा का अब तक का सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण माना जा रहा है. इस डील के तहत कंपनी ऑर्गेनॉन के 100 प्रतिशत शेयर 14 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से खरीदेगी. कंपनी के मुताबिक, यह अधिग्रहण उसकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह इनोवेटिव दवाओं और ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करना चाहती है. इस सौदे के बाद सन फार्मा बायोसिमिलर क्षेत्र में भी मजबूत एंट्री करेगी, जो फार्मा सेक्टर का तेजी से बढ़ता हुआ हिस्सा माना जाता है. अनुमान है कि इस अधिग्रहण के बाद नई संयुक्त कंपनी का कुल राजस्व लगभग 12.4 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिससे यह दुनिया की शीर्ष 25 फार्मा कंपनियों में शामिल हो सकती है. न्यू जर्सी स्थित ऑर्गेनॉन 70 से अधिक उत्पादों के साथ 140 से ज्यादा देशों में सक्रिय है और खासतौर पर महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उसकी मजबूत पकड़ है. इस अधिग्रहण से सन फार्मा को इस क्षेत्र में भी बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है. कंपनी के चेयरमैन दिलीप सांघवी ने इसे कंपनी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया. वहीं, प्रबंध निदेशक कीर्ति गनोरकर ने कहा कि यह डील भविष्य की वृद्धि को नई गति देगी. हालांकि, इस सौदे को पूरा होने के लिए नियामकीय और शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी और इसके 2027 की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद है.

मेकमायट्रिप का अडानी एयरपोर्ट्स से करार

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल मेकमायट्रिप ने अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के साथ करार किया है जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय यात्री ड्यूटी फ्री स्टोर से सामान की प्री-बुकिंग करा सकेंगे.

दोनों कंपनियों ने सोमवार को इस संबंध में हुए करार की घोषणा की. इसके तहत अडानी एयरपोर्ट्स द्वारा संचालित हवाई अड्डों पर प्रस्थान और आगमन दोनों के लिए ड्यूटी-फ्री प्री-बुकिंग सेवा शुरू की गई है. यात्री 10 से अधिक श्रेणियों में 100 से अधिक ब्रांड और 14,000 से अधिक एसकेयू में से उत्पाद ब्राउज कर सकते हैं और अपनी यात्रा से पहले मेकमायट्रिप पर उन्हें प्री-बुक कर सकते हैं. साथ ही विभिन्न श्रेणियों में विशिष्ट ऑनलाइन ऑफर के लाभ भी ले सकते हैं. यह सेवा अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान और आगमन दोनों यात्रियों के लिए उपलब्ध है.

इस पहल का उद्देश्य एयरपोर्ट पर ब्राउज़िंग और कतार में खड़े होने में लगने वाले समय को कम करना है. इससे चेक-इन से लेकर बोर्डिंग और आगमन तक समय प्रबंधन बेहतर होता है.

चावल, गेहूं के भाव बढ़े, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी देखी गयी। चीनी और खाद्य तेलों के भाव टूट गये जबकि दालों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,849 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं चार रुपये महंगा हुआ और 2,784 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 10 रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। तुअर दाल और मसूर दाल की औसत कीमत 23-23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 14 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल में 33 रुपये और चना दाल में 11 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी।

भारतीय शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई, 27 अप्रैल फार्मा, आईटी और ऑटो कंपनियों में अच्छी लिवाली से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त में 77,303.63 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 194.75 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी में 24,092.70 अंक पर रहा. इससे पहले लगातार तीन दिन दोनों प्रमुख सूचकांक टूटे थे.

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा. निफ्टी-मिडकैप-50 सूचकांक 1.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.90 प्रतिशत चढ़ा.

दवा बनाने वाली कंपनी सनफार्मा द्वारा इसी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी ऑर्गानॉन के अधिग्रहण की खबर के बाद भारतीय कंपनी का शेयर आज सात प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयर दो से तीन प्रतिशत चढ़े.

टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी और इंफोसिस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बंद हुए. भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, टाइटन, एलएंडटी, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे. एक्सिस बैंक का शेयर तीन फीसदी लुढ़क गया. बीईएल में दो प्रतिशत की गिरावट रही. ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर भी टूट गये.

अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने से तेल में आया उछाल

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका की कार्रवाई और कड़ा नाकेबंदी ईरान की नौसेना और वायुसेना को कमजोर करने में प्रभावी रही है. उनके अनुसार, ईरान की मिसाइल निर्माण क्षमता पर भी गंभीर असर पड़ा है. उन्होंने हालांकि संकेत दिया कि भविष्य में बातचीत फोन या अन्य माध्यमों से हो सकती है, जिससे कूटनीतिक संवाद पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है.

ईरान की प्रतिक्रिया भी कड़ी रही. ईरानी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि दबाव में आकर बातचीत नहीं की जाएगी. उनका कहना है कि अमेरिकी कदम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और मौजूदा समझौतों के अनुरूप नहीं हैं. ईरानी अधिकारी यह भी कहते हैं कि देश अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, और किसी भी तरह की बाहरी दबाव की नीति पर समझौता नहीं करेगा.

विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता तेल की वैश्विक आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है. होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जहां रोजाना करोड़ों बैरल तेल का लेन-देन होता है. यदि इस मार्ग में किसी कारण से बाधा आती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में और भी तेजी देखी जा सकती है.

विश्लेषकों के अनुसार, यह उछाल केवल कच्चे तेल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों की कीमतों पर भी असर डाल सकता है. ऊर्जा आयातक देशों में महंगाई बढ़ने और आर्थिक दबाव बढ़ने की संभावना है. भारत, चीन और यूरोपीय देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है क्योंकि ये देश तेल की बड़ी मात्रा में आयातक हैं.

> बाजार के रुझान यह भी दिखाते हैं कि निवेशक जोखिम से बचने के लिए तेल और अन्य ऊर्जा संसाधनों में निवेश बढ़ा रहे हैं. इस दौरान, अमेरिकी डॉलर की ताकत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी तेल की कीमतों को ऊपर धकेलने में योगदान दिया है.

सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली, 27 अप्रैल 2026 सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी 27 अप्रैल 2026 को हल्की गिरावट दर्ज की गई है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 जून 2026 के गोल्ड फ्यूचर वायदा 170 रुपये की कमी के साथ 1,52,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था.

इसके पहले यह 1,52,695 रुपये पर ओपन हुआ था, जबकि पिछली बंद कीमत 1,52,699 रुपये थी. इसी तरह, चांदी के 5 मई 2026 के फ्यूचर वायदा में 925 रुपये की गिरावट के बाद यह 2,42,750 रुपये प्रति

किलोग्राम पर आ गया.

आज दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में 10 ग्राम चांदी की कीमत 2,600 रुपये है, जबकि 100 ग्राम चांदी खरीदने के लिए 26,000 रुपये खर्च होंगे. चेन्नई में 10 ग्राम चांदी की कीमत 2,700 रुपये है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक स्थितियों के कारण कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव आम बात है. निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे भावों में हल्की गिरावट का फायदा उठाकर सोच-समझकर निवेश करें.

> इस गिरावट के बावजूद सोना और चांदी लंबे समय तक सुरक्षित निवेश के विकल्प बने हुए हैं. हल्की गिरावट में भी खरीदार और निवेशक दोनों सावधानी से निर्णय लें, क्योंकि भावों में मामूली बदलाव तेजी से बाजार को प्रभावित कर सकता है.

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल. भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 4.4 लाख यूनिट्स हो गई है और इसमें तिमाही आधार पर 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है. इसकी वजह मजबूत घरेलू मांग को माना जा रहा है. यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई. आईसीआरए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में ऑटोमोबाइल की थोक बिक्री वित्त वर्ष 27 में 4-6 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है. इसे जीएसटी में कटौती और नए मॉडल के लॉन्च होने से फायदा होगा.

यूपीआई से पीएफ निकासी जल्द होगी शुरू

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जल्द ही अपने करोड़ों खाताधारकों को एक बड़ी डिजिटल सुविधा देने जा रहा है, जिसके तहत अब पीएफ की राशि सीधे यूपीआई के माध्यम से निकाली जा सकेगी.

यह नया सिस्टम मई 2026 के अंत तक लागू होने की संभावना जताई जा रही है. इस बदलाव के पीछे श्रवक्रवह का उद्देश्य निकासी प्रक्रिया को पहले से अधिक तेज, आसान और पारदर्शी बनाना है. अभी तक पीएफ का पैसा निकालने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन यूपीआई सुविधा लागू होने के बाद यह प्रक्रिया लगभग तत्काल हो सकती है. नई व्यवस्था के तहत यूजर्स को पोर्टल या मोबाइल ऐप पर अपने यूएएन नंबर के जरिए लॉगिन करना होगा और ओटीपी वेरिफिकेशन पूरा करना होगा. इसके बाद वे अपने खाते में उपलब्ध कुल बैलेंस और निकासी योग्य राशि देख सकेंगे.

समाचार विशेष

4 जिले तय करेंगे कौन होगा सीएम?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव भले ही अभी कुछ दिनों के बाद हो, लेकिन महिला और जातिगत राजनीति का बिंदु चरम पर है. हर दल एक संदेश देकर जातिगत हित साधने में जुटा है.

समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने जूही सिंह की जगह सीमा राजभर को महिला सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया तो वहीं बीजेपी ने इसे सलार मसूद से जोड़कर कहा कि राजभर हमारे साथ है. महिला राजनीति इन दिनों उत्तर प्रदेश की सियासत का प्रमुख बिंदु है. सीएम योगी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्षी विरोध के विरोध में निकलने वाली महिला पदयात्रा की अगुआई की और इस दौरान ओपी राजभर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते दिखे. वहीं अखिलेश यादव ने भी एक तीर से दो शिकार करते हुए दांव चला. पहले तो महिला सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा कर सीमा राजभर को बनाया, वहीं दूसरी ओर महिला शक्ति सम्मान के साथ राजभर हितैषी और पीडीए का संदेश प्रसारित कर दिया.

पूर्वांचल राजभर वोटों को लेकर निभाता है प्रमुख भूमिका

गौरतलब है कि यूपी के पूर्वांचल में राजभर आबादी लगभग 4 प्रतिशत है और ऐसा माना जाता है कि 24 जिलों में राजभर अपने वोट को लेकर प्रमुख भूमिका निभाता है. निर्णायक भी होता है इसके प्रतिनिधि के तौर पर प्रमुख नेता ओपी राजभर जो कि कुछ

> बीजेपी ये दावा कर रही है कि राजभर उसके साथ है, लेकिन अखिलेश यादव ने जब महिला शक्ति को साधने के साथ ही पीडीए का संदेश देते हुए राजभर को स्थान दिया वैसे ही बीजेपी ने कहा कि सालार मसूद को मानने वालों के साथ राजभर कभी नहीं जाएगा. चुनाव से पहले जातिगत गणित बैठाने में जुटी पार्टियों के एजेंडे में आधी आबादी के साथ जातीय गणित भी है. अब देखना ये होगा कि सपा और बीजेपी के राजभर दांव के बीच वोटरों को साधने में कौन सफल होता है.

नीतीश के पदचिन्हों पर निशांत की सियासत!

सत्ता को अपने पाले में फिक्स करने की जेडीयू की जमीनी प्लानिंग

पटना. बिहार की राजनीति में एंट्री लेने वाले पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने हालिया हुए नेतृत्व परिवर्तम में कोई पद स्वीकार नहीं किया. सियासी जानकार निशांत के इस फैसले की सराहना करते नहीं थक रहे हैं. जेडीयू में कोई संगठन में पद नहीं, बिहार सरकार में कोई पद नहीं. बस कार्यकर्ताओं से मिलना और सियासत को समझना.

निशांत अपने हिसाब से चल रहे हैं. उसके साथ ही उन्होंने अपने पिता की राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए उनके नक्शेकदम

पर चलने का निर्णय लिया है. तीन मई को पश्चिम चंपारण से शुरू हो रही निशांत की बिहार यात्रा इसी का परिणाम है. उन्होंने पद नहीं लेकर पहले ही सियासी पंडितों और कार्यकर्ताओं की नजरों में अपने कद को ऊंचा कर लिया. अब बिहार यात्रा के बहाने कार्यकर्ताओं से संवाद कर जेडीयू की जमीन को मजबूत करेंगे.

एक दिन पहले मीडिया के सवाल पर निशांत ने कहा कि तीन मई से यात्रा शुरू करेंगे. संजय अंकल यानी संजय झा उनके साथ रहेंगे. पार्टी कार्यकर्ता मिलकर सब कुछ तय करेंगे. वो मीडिया को बाद में जानकारी देंगे. निशांत कुमार सत्ता में एक्टिव होने से पहले कार्यकर्ताओं से फेस टू फेस संवाद करने के लिए यात्रा पर निकल रहे हैं. ये एक बहुत अच्छी रणनीति मानी जा रही है. ये भी कहा जा रहा है कि निशांत अपने पिता की तरह पहले जमीन पर उतरकर वास्तविकता से परिचित होना चाहते हैं.

> **निशांत की तैयारी**
>
> निशांत की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब बीजेपी से सम्राट चौधरी सीएम हैं. इस रणनीति को समझिए, निशांत की यात्रा के दौरान विकास योजना में कोई खामी दिखती है, तो निशांत सीधे सम्राट चौधरी से उसे ठीक करने की अपील करेंगे. खुद के पिता के लिए इतना ही कहेंगे कि उन्होंने इतना कुछ किया, अब भी वे बिहार को देख रहे हैं. पार्टी और संगठन के साथ जमीन पर उतरकर, विभिन्न जिलों का दौरा कर आम जनता से संवाद कर अपना राजनीतिक ग्राउंड मजबूत करना निशांत की सबसे खास रणनीति मानी जा रही है.

ममता को बाहरी वोट की चिंता क्यों?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी इस बार परेशान बताई जा रही हैं. लेकिन कोलकाता के जानकार लोगों के कहना है कि यह कोई नई बात नहीं है. हर चुनाव में वे परेशान होती हैं लेकिन अंत में जीत उनकी होती है.

अब पता नहीं चार मई को नतीजा क्या आता है लेकिन उससे पहले ममता बनर्जी ने कई किस्म की चिंताएं जताई हैं. इनमें एक चिंता यह है कि भाजपा दो लाख बाहरी वोटर्स को बंगाल ले आई है. सवाल है कि ममता बनर्जी के बाहरी मतदाताओं की चिंता क्यों है? क्या तृणमूल कांग्रेस के जमीनी कैडर के सक्रिय रहते भाजपा बाहरी मतदाताओं से वोट करा पाएगी ?यह सवाल इसलिए है कि ममता बनर्जी के पास सबसे ज्यादा संख्या में और सबसे ज्यादा उत्साही व सक्रिय कार्यकर्ता हैं. उन्होंने 15 साल की सत्ता का लाभ उठाया है और उनको पता है कि सत्ता मिली तो फिर उनका राजपाट चलता रहेगा. इसलिए वे जेनुइन मतदाताओं तक को वोट डालने से रोकते हैं या परेशान करते हैं. उनके रहते भाजपा बाहरी मतदाताओं से कैसे वोट डलवा पाएगी? केंद्रीय बलों की सुरक्षा और दूसरे तमाम बंदोबस्त के बावजूद हकीकत यह है कि कोई भी बाहरी मतदाता बूथ पर वोट

विशेष | पीके और तेज प्रताप यादव की मुलाकात के बाद चर्चा तेज

जनसुराज और जेजेडी का होगा गठबंधन!

पटना. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को 2025 के चुनाव के पहले राष्ट्रीय जनता दल से अलग कर दिया गया था. आरजेडी से बाहर निकाले जाने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल का गठन किया और कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनाव में उतारा.

तेज प्रताप यादव खुद भी महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़े, लेकिन एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हुए. अभी विधानसभा चुनाव में काफी वक्त

है, लेकिन उससे पहले आगे की राजनीति के लिए वह विकल्प की तलाश में है और इसी कड़ी में 21 अप्रैल को राजनीति रणनीतिकार कहे जाने वाले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और तेज प्रताप यादव मिले. प्रशांत किशोर से मिलने के बाद उन्होंने एक्स पर भी पोस्ट किया और लिखा कि प्रशांत किशोर जी से मुलाकात हुई, जहां हमने जनहित और भविष्य के राजनीति को लेकर गहन चर्चा की.

तेजप्रताप यादव ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि इसमें कई ऐसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ जो आने वाले समय में राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं. उन्होंने लिखा कि इस संवाद को वे अपने राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण अनुभव के रूप में देखते हैं, जहां सकारात्मक सोच और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प और भी मजबूत हुआ.

अब सवाल उठ रहा है कि तेज प्रताप और प्रशांत किशोर के मिलने का क्या मायने हैं और क्या दोनों मिलकर बिहार की राजनीति को अलग मोड पर ला सकते हैं? दोनों मिलकर एनडीए गठबंधन और महागठबंधन की वोट बैंक में सेंधमारी करने में कामयाब होंगे. राजनीतिक जानकार और वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार ने कहा कि आगे की राजनीति के लिए दोनों ने मुलाकात की है. लेकिन 2025 के चुनाव में दोनों की पार्टी जीरो बटा जीरो रही है.

प्रशांत किशोर एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हुई .तो तेज प्रताप यादव भी खुद चुनाव हार गए.

> **बिहार में सभी पार्टियों का अपना जातिगत वोट बैंक**
>
> प्रशांत किशोर ने चुनाव से पहले 2 साल तक काफी मेहनत की और सभी वर्गों को जोड़कर चलने का काम किया. लेकिन चुनाव में क्या मिला यह सबने देखा. तेज प्रताप यादव ने भी नई पार्टी बनाई, लेकिन वह आरजेडी से निकले हैं. बिहार में हर पार्टी का जाती के आधार पर वोट बैंक है, चाहे चिराग पासवान हो, उपेंद्र कुशवाहा हो या जीतन राम मांझी हो. सभी का अपनी जाति का वोट बैंक है. तेज प्रताप यादव को आरजेडी के वोट बैंक से सेंधमारी करके अपने पाले में लाना होगा, जो इतना आसान नहीं है.